पूम्पुहार शहर (Poompuhar City) : परिचय

पूम्पुहार/पुहार या कावेरी पूमपट्टिनम भारत के तमिल नाडु राज्य के मयिलाडुतुरै ज़िले में स्थित एक नगर है। जो कि बंगाल की खाड़ी से लगा हुआ है और प्राचीन काल में चोल राजवंश के आरम्भिक काल में यह राजधानी तथा एक प्रमुख बंदरगाह रहा है। कावेरी नदी का नदीमुख इस नगर के बिलकुल निकट है।

- फरबरी 2020 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) ने तमिलनाडु में चोल राजवंश के प्रमुख बंदरगाह शहर, पूम्पुहार को फिर से बनाने के लिए 'प्रोजेक्ट डिजिटल पूम्पुहर' लॉन्च किया था।
- पूम्पुहार एक प्राचीन बंदरगाह शहर था, जो तमिलकाल में प्रारंभिक चोल राजाओं की राजधानी था। इसका उल्लेख संगम तमिल साहित्य के में भी मिलता है।
- लगभग 3,000 साल पहले कावेरी नदी के मुहाने पर पूम्पुहार नगर की स्थापना हुई थी।
- पूम्पुहार बंदरगाह शहर प्राचीनकाल में अंतर-महाद्वीपीय व्यापार में फला-फूला लेकिन समय के साथ बदल गया।और अंत में, लगातार कडलकोल या बढ़ते समुद्र के जल स्तर और डेल्टा के कारण जलमग्न हो गया था।

प्रोजेक्ट डिजिटल पूम्पुहार (Project Digital Poompuhar)

पूम्पुहर का पुनर्निर्माण डीएसटी(DST) की भारतीय डिजिटल विरासत (IDH) परियोजना का एक हिस्सा है। इसकी पहली परियोजना 'डिजिटल हम्पी' की एक प्रदर्शनी वर्तमान में राष्ट्रीय संग्रहालय में प्रदर्शित है। परियोजना में समय श्रृंखला के विकास और विलुप्त होने पर व्यापक जानकारी लाने के लिए दूर से संचालित वाहनों और रिमोट सेंसिंग-आधारित जियोडायनामिक अध्ययन द्वारा पानी के भीतर सर्वेक्षण और फोटोग्राफी शामिल है।
इसमें भूमि अवतलन, समुद्र स्तर में वृद्धि, कावेरी के प्रवास, बाढ़, सूनामी, चक्रवात और कटाव जैसी पिछले 20,000 वर्षों की भूगतिकीय प्रक्रियाओं का अध्ययन भी शामिल है।
तमिल साहित्य, पुरातत्व (Archaeology), इतिहास, पुरालेख (Epigraphy), भू-विज्ञान और पानी के नीचे की खोज करने संबंधी कई अध्ययनों के बावजूद अभी तक पूम्पुहार से संबंधित निम्नलिखित तथ्यों की पुष्टि नहीं हो सकी है, 'प्रोजेक्ट डिजिटल पूम्पुहर' से निम्न तथ्यों से सम्बंधित जानकारी का पता लगाने में मदद मिलेगी:

- पूम्पुहार की प्रारंभिक स्थापना और स्थान
- पूम्पुहार की आयु
- पूम्पुहार की उत्तरोत्तर स्थिति
- पूम्पुहार का स्थानिक विकास।
- पूम्पुहार के विलुप्त होने के कारण और अवधि

उपर्युक्त अध्ययनों से प्राप्त जानकारी डिजिटल रूप से पूम्पुहार के जीवन इतिहास को पहचानने में सहायता करेगी।